सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 02 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 321, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड गौरव तिवारी सुसाइड केस उलझा अब हत्या किए जाने... » Pg02

बड़ा फैसलाः अब हर मंडल में खुलेगा दिव्यांग पुनर्वास केंद्र

» Pg12

कफ सिरप कांड में यूपी एसटीएफ को बड़ी कामयाबी

भगोड़ा सिपाही आलोक सिंह लखनऊ से दबोचा

पूर्व सांसद धनंजय सिंह का है करीबी, पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने बिहार के मंत्री पर मंथली रुपए लेने सहित लगाए कई गंभीर आरोप

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। कफ सिरप कांड में यूपी एसटीएफ को बड़ी कामयाबी मिली है। इस मामले में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया गया है। जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह के करीबी माने जाने वाले आलोक को भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस भी जारी था। आलोक सिंह के खिलाफ कई सबूत मिलने के बाद सोमवार को ही उसका नाम लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज एफआईआर में शामिल कर लिया गया था। कहा जा रहा था कि आलोक सिंह विदेश भागने की फिराक में है। उसकी तलाश में एसटीएफ लगातार छापेमारी कर रही थी।

बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह के बारे में आशंका जताई जा रही थी कि कहीं वह विदेश न भाग जाए। इसी आशंका के चलते एसटीएफ ने उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी करवाया था। आलोक अन्य आरोपियों के साथ पहले दुबई भी जा चुका था। बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह यूपी के पूर्व सांसद धनंजय सिंह का करीबी बताया जाता है। अमित टाटा की गिरफ्तारी के बाद उसका नाम तेजी से सामने आया। सूत्रों का कहना है कि पूर्व सांसद के संरक्षण की वजह से ही वह अभी तक बचता रहा था। बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह लखनऊ का ही रहने वाला है। लेकिन उसका नाम जौनपुर की वोटर लिस्ट में भी है। कहा जा रहा है कि उसके नाम से एसआईआर का फार्म भी भरा गया है। एसटीएफ सभी बिंदुओं पर अपनी जांच कर रही है।

शिकंजे में शुभम का बाप भोला जायसवाल

जांच दायरे में बर्खास्तम सिपाही और पूर्व सांसद की साठगांठ

आरोप है कि देश के कई बच्चों की जान के लिए आफत बनी प्रतिबन्धित कफ सिरप की सप्लाई कर बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह और अमित सिंह उर्फ अमित टाटा ने अरबों रुपये का खेल किया। एसटीएफ अब बर्खास्त सिपाही, पूर्व सांसद धनंजय सिंह और अमित टाटा की आपराधिक साठगांठ की जांच करने में जुट गई है। इन सबने फर्जी तरीके से बनाई कम्पनियों के नाम पर लाखों का लेन-देन किया। इसके लिए इन लोगों ने फर्जी ई-बिल बनवाए थे। इनके इस खेल का मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल और उसके साझीदार दुबई से पूरे नेटवर्क की कमान संभाल रहा था। रही सही कसर पूर्वांचल के पूर्व बाहुबली सांसद पूरी करते रहे।

पूर्व सांसद के बेहद करीबी बर्खास्त सिपाही का नाम गाजियाबाद में दर्ज एफआईआर में पहले की आ गया था लेकिन उस पर दबाव के चलते सख्ती नहीं की गई। पिछले साल फरवरी में जब करोड़ों की इस कफ सिरप की शीशियां बरामद हुई, तब दर्ज एफआईआर में इसका नाम नहीं लाया गया। छह दिन पहले एसटीएफ ने जब अमित सिंह उर्फ अमित टाटा को पकड़ा तो सारा खेल खुलने लगा। इससे पहले पुलिस की विवेचना में आलोक सिंह और अमित की कम्पनियों का बाकायदा जीएसटी नम्बर सहित पूरा ब्योरा दर्ज किया गया था। पर, कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं किया जा रहा था। यहां तक वाराणसी और सोनभद्र पुलिस भी अमित, आलोक और गिरोह के अन्य सदस्यों तक हाथ नहीं डाल पाई।

सोनभद्र पुलिस ने प्रतिबन्धित कफ सिरप तस्करी के मास्टरमाइंड शुभम के पिता भोला जायसवाल को रविवार दोपहर कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया था। वह दुबई भागने की फिराक में था। शुभम जिस शैली ट्रेडर्स कम्पनी के नाम पर सिरप सप्लाई कर रहा था, वह उसके पिता के नाम पर थी। छह राज्यों में 11 फर्मों पर केस दर्ज कर 98 मामलों में कार्रवाई की गई है।

ईडी ने भी शुरू की जांच

ईडी ने एसआईटी, एसटीएफ के अलावा सम्बन्धित जिलों की पुलिस से एफआईआर व अन्य दस्तावेज मांगे है। इसके साथी माफिया से आरोपियों की साठगांठ के बारे में साक्ष्य जुटाना शुरू कर दिया है। ईडी सूत्रों के मुताबिक इन सभी के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी।

माफिया से भी होगी पूछताछ

पुलिस को यह भी पता चला है कि कुछ समय पहले बर्खास्त सिपाही ने एक पार्टी दी थी। यह पार्टी उसके नए घर बनने के उपलक्ष्य में थी। इसमें अमित टाटा समेत कई आरोपी जुटे थे। अमित और पूर्व बाहुबली सांसद के साथ इस बर्खास्त सिपाही के कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है। पुलिस और एसआईटी ने इन वीडियो का भी संज्ञान लिया है। जांच एजेन्सियों का दावा है कि जल्दी ही इस प्रकरण में पूर्वांचल के एक बड़े माफिया से भी पूछताछ की जाएगी। तीन मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवाई गई है। जल्दी ही इस माफिया को नोटिस भेजी जाएगी।

एसआईटी बना रही गैंग चार्ट, लगेगा गैंगस्टर

एसआईटी ने भी अपनी जांच इस गिरोह पर तेज कर दी है। मास्टर माइंड शुभम जायसवाल, वरुण, गौरव, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह समेत पूरे गिरोह का गैंगचार्ट तैयार किया जा रहा है। इन सभी पर गैंगस्टर की कार्रवाई की जाएगी। गैंगचार्ट में गिरोह के उन सभी का नाम दर्ज होगा, जिन्होंने किसी भी तरह से इस गिरोह की मदद की और उसके साथ लेन-देन में भूमिका निभाई। साथ ही फर्जी दस्तावेजों से बनी कम्पनियों में जिनके नाम रहे और जो लोग उसके रजिस्ट्रेशन में गवाह बने, सबको आरोपी बनाया जाएगा। इसके लिए पूरी फेहरिस्त तैयार करने के लिए तीन टीम बना दी गई है।

पूर्व आईपीएस ने की जांच की मांग

आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह को लेकर बेहद चौंकाने वाला खुलासा कर दिया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मुझे कफ सीरप मामले में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह के साथ जौनपुर के कतिपय अन्य व्यक्तियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुई हैं। जिनमें आलोक सिंह का पूर्व सांसद धनंजय सिंह के बगल में लखनऊ में बनाए गए घर के एलडीए के नक्शे के बिना बनाए जाने साहित गंभीर आरोप शामिल हैं। इसके साथ ही बिहार के एक मंत्री की भूमिका भी मुझे बताई गई है। उन्होंने कहा कि मैंने इस समस्त तथ्यों से संबंधित अधिकारियों को अवगत कराते हुए तत्काल समुचित कार्यवाई की मांग की है। जिसमें उन्हें विधानसभा क्षेत्र 367 मल्हनी, जौनपुर के अनुभाग संख्या-1 का बताया गया वोटर लिस्ट मिला है, जिसमें क्रम संख्या 115 पर धनंजय सिंह के भाई जितेंद्र सिंह, 116 पर उनकी पत्नी श्रीकला सिंह और 118 पर धनंजय सिंह का नाम लिखा हुआ है। अमिताभ ठाकुर ने बताया कि इस वोटर लिस्ट के क्रम संख्या 120 पर आलोक प्रताप सिंह लिखा हुआ है, जो बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह बताया गया है। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि वोटर लिस्ट में धनंजय सिंह और आलोक सिंह का एक ही मकान संख्या अंकित है, इसकी जांच होनी चाहिए। अमिताभ ठाकुर ने अपनी शिकायत में वोटर लिस्ट की प्रति भी लगाई है। उन्होंने एक्स पर एक वाट्सअप चैट भी पोस्ट किया है जिसमें बिहार के एक मंत्री को आलोक प्रताप सिंह 15 लाख रुपए भेजे जाने का भी जिक्र किया गया है।

गौरव तिवारी सुसाइड केस उलझा अब हत्या किए जाने की आशंका

पोस्टमार्टम ने उधेड़ा सच

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। रैकेपुर चौकी क्षेत्र में रिंग रोड किनारे फंदे पर लटके मिले गौरव तिवारी की मौत अब संदिग्ध से सीधे हत्या की दिशा में मुड़ गई है। पोस्टमार्टम में बड़े पैमाने पर चोटें सामने आने के बाद परिजनों ने गांव के ही चार युवकों विजय, टोनी, रोहित और सुमित पर सुनियोजित हत्या का गंभीर आरोप लगाया है।पहले जहाँ पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मानकर जांच कर रही थी, वहीं अब पोस्टमार्टम के दौरान सामने आए तथ्यों ने सनसनी फैला दी है।

» परिजनों का गंभीर आरोप, गौरव को घर से ले जाकर मारा गया पुलिस नहीं लिख रही एफआईआर

रिजनों के मुताबिक डॉक्टरों ने बताया कि गौरव के शरीर पर 27 चोटें, तीन पसलियां टूटी हुईं और एक पैर भी फ्रैक्चर पाया गया है। परिजन कहते हैं कि इतनी गंभीर चोटों के बाद आत्महत्या की बात बेमानी है।परिवार का आरोप है कि उक्त चारों युवकों ने गौरव को घर से बुलाकर बेरहमी से पीटा और उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसे फंदे पर लटकाकर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया।पीड़ित परिवार ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर नामजद मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है, लेकिन अब तक एफआईआर पंजीकृत नहीं की गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस उन्हें जल्द अंतिम संस्कार करने का दबाव बना रही है। साथ ही, आरोपित युवक लगातार परिवार को धमकी दे रहे हैं कि यदि मामले को आगे बढ़ाया तो परिवार के किसी और सदस्य को जान से हाथ धोना पड़ेगा।मामले में अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी न होने से गांव में आक्रोश है। परिजन न्याय की मांग को लेकर अडिग हैं और पुलिस प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

मृतक की फाइल फोटो/ मृतक गौरव तिवारी के परिजन

परिषदीय एवं कस्तूरबा विद्यालयों में मनाया जाएगा भारतीय भाषा उत्सव

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। परिषदीय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में 4 से 11 दिसंबर तक भारतीय भाषा उत्सव-2025 मनाया जायेगा उत्सव की थीम अनेक भाषा-एक भाव रखी गई है। बच्चों में भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान बढ़ाना और देश की सांस्कृतिक विविधता को एक सूत्र में पिरोना है। शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर यह कार्यक्रम महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के अवसर पर शुरू होगा और लगातार सात दिन चलेगा। हर दिन स्कूलों में भाषा और संस्कृति से जुड़ी अलग अलग गतिविधियां कराई जाएंगी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने भी इस संदर्भ में जिलों को दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। चार दिसंबर को उत्सव की शुरुआत भाषा वृक्ष और भाषायी विरासत दीवार बनाने से होगी। पांच दिसंबर को बच्चे अलग-अलग भारतीय भाषाओं की कविताएं, गीत और पंक्तियां प्रस्तुत करेंगे। छह दिसंबर को छात्र त्योहारों, रीति-रिवाजों और भाषाई विविधता पर आधारित पाडकास्ट तैयार करेंगे। आठ दिसंबर को कहावतों और लोकोक्तियों के माध्यम से एकता का संदेश दिया जाएगा और भाषा मित्र कार्यक्रम होगा। 9 दिसंबर को बच्चे विभिन्न भाषाओं में पत्र लेखन करेंगे और मिलकर बहुभाषी कहानी बनाएंगे। 10 दिसंबर को भाषा क्लब की गतिविधियां होंगी जिसमें विद्यार्थी नई भाषाओं को मजेदार तरीके से जानेंगे। 11 दिसंबर को उत्सव का समापन भाषा मेला, नाट्य प्रस्तुति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होगा। स्कूल स्तर के साथ-साथ न्याय पंचायत स्तर पर भी भाषा उत्सव यात्राएं, भाषा शिविर, सांस्कृतिक मेले और जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

मुस्लिम युवकों ने आश्रम में घुसकर की लड़कियों से छेडख़ानी

काम करने वाली लड़कियों से छेड़छाड़ पर विवाद, दरोगा पुत्र ने दी आग लगाने की धमकी, वीडियो वायरल होते ही रेउना पुलिस सक्रिय, मुख्य ट्रस्टी ने कमेटी बैठक बुलाने की बात कही

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। रेउना क्षेत्र के शिवहरि धाम आश्रम, मदनपुर बीछीपुर में रविवार को कुछ बाइक सवार युवक घुस आए और वहां काम करने वाली लड़कियों के साथ अश्लील हरकतें करने लगे।

सेवादारों ने रोकने की कोशिश की तो युवकों ने फोटो खींचना शुरू कर दिया और विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। आरोप है कि यह युवक मुस्लिम हैं और आए दिन आश्रम से निकलने वाली हिंदू लड़कियों के साथ अश्लील हरकतें करते हैं। एक युवक, जिसका पिता दरोगा बताया जा रहा है, ने रौब झाड़ते हुए आश्रम में आग लगाने की धमकी तक दे डाली।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस हरकत में आ गई। वायरल वीडियो की स्वराज इंडिया पुष्टि नहीं करता है

रेउना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए निजाम पुत्र शकील अहमद और उसके चचेरे भाई को हिरासत में ले लिया। आश्रम के व्यवस्थापक टेलर, निवासी चौबेपुर, ने बताया कि युवकों की अश्लीलता का विरोध करने पर उन्हें पीटा गया और जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए।थाना प्रभारी रेउना अनुज राजपूत ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। वहीं, आश्रम के मुख्य ट्रस्टी शिवकुमार द्विवेदी ने बताया कि कर्मचारियों के साथ अभद्रता की जानकारी मिलने पर पुलिस को तुरंत अवगत कराया गया है। इस प्रकरण पर सोमवार को मंदिर कमेटी की बैठक होगी। एसीपी घाटमपुर कृष्णकांत यादव ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर दो युवकों को गिरफ्तार कर धारा 151 के तहत कार्रवाई की गई है। तहरीर मिलने पर गंभीर धाराएं बढ़ाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर नगर निगम में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम मुख्यालय में पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व महापौर प्रकाश जायसवाल की स्मृति में सोमवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। नगर निगम परिवार सहित शहर के अनेक जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

मेयर प्रमिला पांडेय ने कहा कि प्रकाश जायसवाल का सार्वजनिक जीवन अनुकरणीय रहा है।

शहर के विकास, नगर निगम की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने तथा जनता की आवाज उठाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान हमेशा याद किया जाएगा।

मेयर ने घोषणा की कि उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए जल्द ही शहर के एक प्रमुख पार्क और एक सड़क का नामकरण प्रकाश जायसवाल के नाम पर किया जाएगा।

श्रद्धांजलि सभा के दौरान उनके संघर्ष, सरल व्यक्तित्व और विकासोन्मुखी सोच को याद करते हुए भावपूर्ण माहौल देखने को मिला। नगर निगम ने कहा कि प्रकाश जायसवाल की कमी को शहर लंबे समय तक महसूस करेगा,

लेकिन उनके कार्य और विचार आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। इस दौरान कई पार्षद मौजूद रहे।

छह साल की बेटी ने खोला मां की हत्या का राज

मम्मी को मारकर टांगा, पति-सास पर एफआईआर दर्ज

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पतारा क्षेत्र के चतुरीपुर गांव में फंदे पर लटकी मिली विवाहिता की हत्या का राज उसकी छह वर्षीय बेटी ने खोल दिया। बेटी के बयान के आधार पर पुलिस ने पति और सास के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कानपुर में पतारा क्षेत्र के चतुरीपुर गांव में 23 नवंबर को विवाहिता का शव फंदे पर लटका मिलने के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। विवाहिता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मृतका के पति और सास के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

मृतका, जो साढ़ थाना के गुगुरा गांव निवासी पिता की बेटी थी। उसकी शादी चतुरीपुर गांव में हुई थी। 23 नवंबर को उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे पर लटका मिला था। पिता ने उसी समय ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया था। इस बीच, मृतका की छह वर्षीय बेटी ने अपने नाना को बताया कि पापा व दादी ने मम्मी को मारकर टांग दिया था।

दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बेटी के इस सनसनीखेज खुलासे के बाद पिता ने सोमवार को पुलिस को मृतका के पति और सास के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है और अब मामले की गहनता से जांच कर रही है।

कागजों में गड्ढामुक्त हो गईं सड़कें, 30 करोड़ मरम्मत के नाम पर खपाए

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर शहर में कागजों में सभी सड़कें गड्ढामुक्त हो गईं। नगर निगम ने शासन को भी सभी सड़कें गड्ढामुक्त होने की रिपोर्ट भेज दी। उधर, शासन ने भी गड्ढामुक्त अभियान की जांच के आदेश दिए हैं। इसके लिए अभियंता भी नियुक्त किए हैं। बरसात में शहर की करीब एक चौथाई सड़कों में गड्ढे हो गए थे। रामादेवी से लेकर आईआईटी तक जीटी रोड, मैनावती मार्ग में अनगिनत गड्ढे थे। पनकी, कल्याणपुर, विश्वबैंक, बर्रा, आवास विकास सहित तमाम जगह सड़कों से गिट्टी तक गायब हो गई थी।

बरसात का मौसम खत्म होते ही शासन ने नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, एनएच पीडब्ल्यूडी सभी क्षतिग्रस्त सड़कें दीपावली से पहले गड्ढामुक्त करने के आदेश दिए थे। कई सड़कों में पैचवर्क ही नहीं हुआ। जहां हुआ उनमें से भी कई सड़कों में पैचवर्क के नाम पर गड्ढे भरते हुए समतलीकरण न होने से लाखों शहरवासी हिचकोले खाने के लिए मजबूर हैं। नगर निगम से ज्यादा बदतर हालत पीडब्ल्यूडी की सड़कों की है।

समय बीतने पर भी यह कार्य पूरा न हो पाया, तब शासन ने इसके लिए 15 नवंबर तक का समय बढ़ाने के साथ ही सभी सड़कों को गड्ढामुक्त की रिपोर्ट भी तलब की।

उधर, पैचवर्क के नाम पर इन विभागों ने जनता की गाढ़ी कमाई के करीब 30 करोड़ रुपये पानी की तरह बहाए, पर जनता को ही सड़कों के गड्ढों से निजात नहीं मिली। बत दें कि पांडुनगर गुरुद्वारा रोड, शास्त्रीनगर चेन फैक्टरी चौराहे से नहरिया रोड, मरियमपुर चौराहा से कोकाकोला चौराहा तक सड़कों पर गड्ढे हैं।

191 नन्हे कदमों को मिला सहारा उपकरण पाकर झलकी खुशियां

बिल्हौर में दिव्यांग बच्चों के लिए अब तक का सबसे बड़ा वितरण अभियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर में सोमवार का दिन दिव्यांग बच्चों के लिए उम्मीद, उत्साह और आत्मबल से भरा रहा। खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय में आयोजित सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम में विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों से आए 191 दिव्यांग बच्चों को ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, ब्रेल किट, श्रवण मशीन और अन्य कृत्रिम उपकरण प्रदान किए गए। जैसे ही बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप उपकरण सौंपे गए, वे चहक उठे।

यह कार्यक्रम न केवल वितरण का अवसर था, बल्कि बच्चों की ज़िंदगी में आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक शिक्षा की नई शुरुआत भी साबित हुआ। प्रशासन और शिक्षा विभाग की यह पहल क्षेत्र में समावेशी शिक्षा की सबसे बड़ी मुहिमों में से एक मानी जा रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित, समेकित शिक्षा जिला कोऑर्डिनेटर डिंपल रानी और खंड शिक्षाधिकारी रवि कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया। अधिकारियों ने बच्चों के बीच पहुंचकर उन्हें उपकरण सौंपे और आगे बढ़ने का हौसला भी दिया।

एसडीएम संजीव दीक्षित ने कहा कि शासन की मंशा है कि दिव्यांग बच्चे भी बिना किसी भेदभाव के शिक्षा और अवसरों में बराबर की भागीदारी करें। इन उपकरणों से उनकी चुनौतियाँ कम होंगी और पढ़ाई में नई ऊर्जा आएगी। खंड शिक्षाधिकारी ने बताया कि विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों से चिन्हित 191 बच्चों को उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे न केवल उनकी गतिशीलता बढ़ेगी, बल्कि सीखने की प्रक्रिया भी सुगम होगी।

पहली बार हाथ में आई ट्राईसाइकिल, चेहरे खिल उठे

बिल्हौर। कृत्रिम उपकरण वितरण कार्यक्रम में सोमवार का दिन दिव्यांग बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए यादगार बन गया। कई बच्चों को जीवन में पहली बार अपनी ट्राईसाइकिल मिली तो कई को व्हीलचेयर ने सहज आवाजाही का नया सहारा दिया।

दृष्टिबाधित बच्चों को ब्रेल किट और श्रवण बाधित बच्चों को कान की मशीनें मिलने से उनके परिवारों के चेहरे भी खुशी से दमक उठे। उपकरण हाथ में लेते ही बच्चों की मुस्कान और अभिभावकों की भावुक प्रतिक्रिया ने पूरे कार्यक्रम को खास बना दिया।

शिक्षा विभाग का पूरा अमला रहा मौजूद

कार्यक्रम में स्पेशल एजुकेटर अनिल कुमार पांडेय, संजय पांडेय, जूलियट, आदित्य द्विवेदी, धर्मेंद्र कटियार, नियाज, ताहिर, शशांक द्विवेदी, पुष्पेंद्र यादव सहित दर्जनों शिक्षक और अभिभावक मौजूद रहे। दिव्यांग बच्चों की मुस्कान ने साबित कर दिया कि जब संवेदना और सहयोग मिलते हैं, तो सीमाएँ नहीं केवल संभावनाएँ दिखाई देती हैं।

बिल्हौर में दस्तावेज़ी गड़बड़ी का मामला उभरकर सामने आया

हाईकोर्ट में जमा हलफनामे पर उठे सवाल

» आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)बिल्हौर क्षेत्र में सामने आए एक दस्तावेज़ी विवाद ने पुलिस को नई जांच की दिशा में मोड़ दिया है। हाईकोर्ट में दाखिल किए गए एक हलफनामे में कथित रूप से गलत हस्ताक्षर पाए जाने के बाद पुलिस ने आठ व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। यह कार्रवाई मुंबई निवासी रिद्धि सोहिलगाला की तहरीर के आधार पर शुरू हुई।

तहरीर में उन्होंने विशुनपुर गांव स्थित अपनी संपत्ति के संबंध में कुछ व्यक्तियों पर विवाद उत्पन्न करने के आरोप लगाए थे। मामले की पैरवी कर रहे अधिवक्ता अनूप त्रिपाठी ने पुलिस अधिकारियों को सूचित किया कि उसी प्रकरण से जुड़े एक हलफनामे में दो नामजद व्यक्तियों के हस्ताक्षर सामान्य परिस्थितियों से मेल नहीं खाते प्रतीत हुए। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि जिन व्यक्तियों के हस्ताक्षर दर्शाए गए थे, उनमें से एक उस अवधि में जेल में निरुद्ध था। इस आधार पर दस्तावेज़ की सत्यता को लेकर सवाल खड़े हुए, जिसके बाद संबंधित लोगों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया।कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि पुलिस आयुक्त के निर्देश पर मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में सभी तथ्यों की गहन जांच की जा रही है और आवश्यकता के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला संवेदनशील है तथा प्रत्येक दस्तावेज़ और बयान को सावधानीपूर्वक परखा जा रहा है, ताकि जांच निष्पक्ष और तथ्यों पर आधारित रहे।

शिकायत पर मौके पर पहुँची पुलिस, धमकी देने वाला युवक हिरासत में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। ग्राम गदनपुर आहार में आए दिन गाली-गलौज और धमकियों से परेशान एक परिवार की शिकायत पर बिल्हौर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक रामविलास पुत्र नन्हा, निवासी गदनपुर आहार ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया था कि गांव का ही संदीप पुत्र बहादुर शराब के नशे में अक्सर उसे और उसकी पत्नी को अपशब्द कहता है। शिकायत की जांच के लिए मौके पर पहुँची पुलिस टीम ने जब संदीप को बुलाकर बातचीत करनी चाही, तो उसने वहीं मौजूद पुलिसकर्मियों के सामने ही रामविलास को धमकियाँ देना शुरू कर दीं।

पुलिस के बार-बार समझाने के बावजूद संदीप शांत नहीं हुआ और और अधिक उग्र होकर फसाद की स्थिति उत्पन्न करने लगा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बिल्हौर पुलिस ने मौके से संदीप को गिरफ्तार कर बीएनएस के तहत चालान किया। कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि अभियुक्त को शांति व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से कार्यपालक मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत किया गया।

सम्पादकीय

बूथ-स्तरीय अधिकारियों पर तनाव का असर

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें।

यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें।`। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप व पुडुचेर केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है।

लाल किला विस्फोट से उठे कुछ सवाल और सबक

ज्योति मल्होत्रा

दिल्ली में लाल किला बम विस्फोट मामला दिल दहलाने वाला है। हालांकि जम्मू-कश्मीर पुलिस के यत्नों से फरीदाबाद में विस्फोटक का जखीरा पकड़ा गया जिससे भारी तबाही टल गयी। ऐसी घटनाएं टालने को हमें अपने पुलिस थानों के नेटवर्क को... दिल्ली में लाल किला बम विस्फोट मामला दिल दहलाने वाला है। हालांकि जम्मू-कश्मीर पुलिस के यत्नों से फरीदाबाद में विस्फोटक का जखीरा पकड़ा गया जिससे भारी तबाही टल गयी। ऐसी घटनाएं टालने को हमें अपने पुलिस थानों के नेटवर्क को और मज़बूत करना होगा क्योंकि वे हमारे सुरक्षा तंत्र की मुख्य धुरी हैं। वहीं राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर राजनीतिक एकजुटता भी ज़रूरी है।

नई दिल्ली में हुए कार विस्फोट को कुछ अर्सा बीत चुका है। काफी वक्त बीत चुका और जांच ने रफ़्तार एवं दिशा पकड़ ली है। हमले संबंधी अलग-अलग थ्योरियों को समझाने और खुलासे करने के लिए इतना समय पर्याप्त है। लाल किले के गेट के पास हुआ विस्फोट दहलाने वाला और धृष्टता रोंगटे खड़े करने वाली थी।जो बात एकदम दिमाग में आती है वह यह है कि योजनाएं लंबे समय से बन रही होंगी; प्रोफेशनल्स (अधिकतर डॉक्टर) को इसे अंजाम देने के लिए मानसिक रूप से तैयार किया गया, और इसमें काफी समय लगता है। (यह फिल्मों में दिखाए जाने वाले काम जितना आसान नहीं,बल्कि इसके लिए बहुत कौशल चाहिए)। टार्गेट चुने गए, रेकी की गई और एक साथ कई इलाकों में बड़े पैमाने के हमले करने के लिए इस जाल के सब धागों के साथ सामंजस्य स्थापित किया गया। ऐसा लगता है कि इस बार हमारी पुलिस और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह बेखबर थीं और एक बहुत खतरनाक दुश्मन संगठन के मंसूबों और गतिविधियों को पकड़ नहीं पाईं। यह सिर्फ जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की कारगुजारी रही, जिसने भारी मात्रा में अमोनियम नाइट्रेट पकड़ा, जिससे आगे चलकर आतंकवादियों के एक जटिल और बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ और दिल्ली एवं अन्य जगहों पर तबाही मचाने की उनकी नापाक योजना का पता चल सका।

ऐसा लगता है कि ये आतंकवादी तुर्की और पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के साथ समन्वय बनाकर काम कर रहे थे। गतिविधियों का केंद्र फरीदाबाद स्थित अल फलाह मेडिकल कॉलेज लगता है, और कथित तौर पर इसका उद्गम स्थल कश्मीर है। कतिपय कारणों से, प्रशासन में बैठे लोग जम्मू-कश्मीर से स्थानीय आतंकवादियों का सफाया कर दिए जाने का दावा करते रहते हैं।। जाहिर है, पकड़े गए लोगों से पूछताछ ही इन हिरासतों और बरामदगी का आधार है। मुझे इस बात की चिंता है कि प्रथम विचार से लेकर लोगों को प्रशिक्षित करने तक, सामग्री खरीदना, टार्गेट चुनना और लोगों एवं सामान की तैनाती, यह एक मुश्किल और समय लेने वाला काम है, जिसे अत्यंत गुपचुप तरीके से अंजाम दिया गया। ज्यादातर काम पूरे हो चुके थे और आखिरी दांव चलने को था, लेकिन हम बहुत बड़ी तबाही देखने से बच गए... यह हमारी खुशनसीबी रही। हालांकि, यहां गौरतलब कि शुरुआती कामयाबी जम्मू-कश्मीर पुलिस के यत्नों से मिली, जिसने फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री का एक बड़ा जखीरा ढूंढ निकाला। बढ़िया पुलिस कारगुजारी यही होती है।अगला स्वाभाविक प्रश्न जो साफ तौर पर उठता है वह यह कि - इस किस्म के कितने आतंकी समूह अभी भी सक्रिय हैं? उनकी संरचना और संभावित निशाने क्या हैं? इन कुकृत्यों के असली गुनहगार कौन हैं? उम्मीद है, ये प्रश्न हमारे देश के संबंधित अधिकारियों और संगठनों को चौबीसों घंटे काम करते रहने के लिए प्रेरित करेंगे, क्योंकि दूसरा कोई विकल्प समझ में नहीं आता। आज, जब स्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हैं, तो ऐसे और हमले होने की आशंका हो सकती है।

भूख से मुकाबले के साथ जलती शिक्षा की लौ

गुणवत्ता बेहतर बनाए रखी

ज्वाला सिंह दास

अक्षय पात्र का भूखे, बेसहारा, गरीब, बेघर बुजुर्ग माताओं, आंगनबाड़ी और स्कूली बच्चों की भूख मिटाने को 2000 में शुरू हुआ संकल्प आज चौथाई सदी की यात्रा पूरी कर चुका है। जो सोलह राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 24 लाख बच्चों को स्कूलों में भोजन करा रहा है। महाभारत की एक कथा के अनुसार जब वनवास के दौरान पांडव सूर्य की उपासना करते हैं। सूर्य देव प्रसन्न होकर युधिष्ठिर को अक्षय पात्र देते हैं, जिसका भोजन कभी खत्म ही नहीं होता। इस्कॉन का अक्षय पात्र भी पांडवों के अक्षय पात्र की तरह हो गया है-भूखे, बेसहारा, गरीब, बेघर बुजुर्ग माताओं, आंगनबाड़ी और स्कूली बच्चों की भूख मिटाने का आज यह बड़ा सहारा बन गया है।

साल 2000 में शुरू हुआ यह संकल्प आज चौथाई सदी की यात्रा पूरी कर चुका है। अक्षय पात्र सोलह राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 24 लाख बच्चों को नियमित रूप से उनके स्कूलों में भोजन करा रहा है। साल 2001 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूली बच्चों को मध्याह्न भोजन योजना लागू करने का आदेश दिया। देश की सर्वोच्च अदालत में दायर एक जनहित याचिका में कहा गया था कि खाद्य निगम के गोदामों में काफी मात्रा में अन्न सड़ जाता है। उस अन्न के जरिए मध्याह्न भोजन योजना लागू की जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय को यह तर्क जंचा और उसके ही आदेश पर समूचे देश के स्कूलों में दोपहर में बना हुआ भोजन देना जरूरी कर दिया गया। इसके

पहले केंद्र की नरसिंह राव सरकार ने 15 अगस्त, 1995 को राष्ट्रीय पोषण योजना के तहत चुने हुए ब्लॉकों में शुरुआत की थी, जिसके तहत स्कूली बच्चों को मध्याह्न भोजन मुहैया कराना शुरू हुआ। । अक्षय पात्र फाउंडेशन की शुरुआत के पीछे अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ यानी इस्कॉन के संस्थापक स्वामी प्रभुपाद का भी एक संकल्प कार्य कर रहा है। स्वामी प्रभुपाद पश्चिम बंगाल के मायापुर में भगवान कृष्ण के भजन में लीन रहते थे। एक बार उन्होंने अपनी खिड़की से देखा, कूड़े में फेंके गए भोजन को लेकर कुत्ते और कुछ बच्चों में खींचतान चल रही थी। यह कारुणिक दृश्य देखकर प्रभुपाद परेशान हो गए। उन्होंने तब संकल्प लिया कि वे ऐसी व्यवस्था करेंगे, जिसकी वजह से उनके आसपास कोई भूखा रहने को मजबूर न हो सके। इस्कॉन के मंदिरों में यह व्यवस्था अहर्निश अब तक जारी है।

बहरहाल, दीन-दुखियों, बच्चों, विधवा और बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरुषों, स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराने के लिए इस्कॉन से जुड़े दो संतों ने अक्षय पात्र की स्थापना 2000 में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में की। इस्कॉन से जुड़े मधु पंडित दास और चंचलापति दास ने मिलकर अक्षय पात्र फाउंडेशन की स्थापना की। पहले साल इस योजना के तहत बेंगलुरु के पांच स्कूलों के 1,500 बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया गया। तब से फाउंडेशन कार्य कर रहा है। अक्षय पात्र योजना का उद्देश्य कुपोषित बच्चों को भोजन मुहैया कराना और उन्हें शिक्षा हासिल करने में सहयोगी बनना है। कालांतर में संस्था का विस्तार तेजी से हुआ। अक्षय पात्र के जरिए अब तक चार अरब से ज्यादा थालियां खिलाई जा चुकी हैं। अक्षय पात्र की पहुंच आज 23,978 से अधिक स्कूलों तक हो गई है। इस साल मार्च में अक्षय पात्र ने अपना 78वां रसोईघर स्थापित किया। सहयोग पर भी निर्भर है। अक्षय पात्र ने न सिर्फ भोजन की गुणवत्ता बेहतर बनाए रखी है, बल्कि पौष्टिकता और पोषण का भी ध्यान रखा है। उसके पास जो 78 रसोईघर हैं, वे पूरी तरह मशीनीकृत हैं। उनमें स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। सैकड़ों लोगों द्वारा तैयार भोजन को स्कूलों और आंगनबाड़ियों को पूरी तरह एयर कंडिशंड व्यवस्था में भेजा जाता है।

आईएएस संतोष वर्मा का विरोध कर फूंका गया पुतला

ब्राह्मणों पर की गई अभद्र टिप्पणियों के विरोध में प्रदेश भर में आक्रोश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मणों पर की गई अभद्र टिप्पणियों के विरोध में प्रदेशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सडक़ से लेकर सोशल मीडिया तक लोग कड़ी नाराजगी जता रहे हैं। विरोध कर रहे लोगों की मांग है कि अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसी कड़ी में कानपुर देहात में भी लोगों का गुस्सा फूट पड़ा, जहां विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जमकर विरोध जताया।

कानपुर देहात में भार्गव परशुराम सेवा समिति के अध्यक्ष ब्रह्म कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने संतोष वर्मा के पुतले को जूते की माला पहनाकर शहर में घुमाया और नमस्ते चौराहे पर पुतले का दहन किया।

अध्यक्ष ब्रह्म कुमार द्विवेदी ने कहा कि महिलाओं के प्रति अभद्र सोच किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने मांग की कि आरोपों की गंभीरता को देखते हुए अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो और उन्हें तत्काल पद से मुक्त किया जाए। इसी दौरान युवा समाजसेवी आयुष त्रिवेदी ने भी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं के सम्मान पर चोट करने वाली सोच किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई इसलिए भी ज़रूरी है ताकि दूसरों को स्पष्ट संदेश मिल सके कि अमर्यादित भाषा और महिलाओं के सम्मान के खिलाफ जाने पर सख्त परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

45 लाख की जमीन डील में मारपीट

पूर्व मंत्री सतीश पाल पर एफआईआर मेडिकल के बाद पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र में पूर्व बसपा सरकार में राज्य मंत्री रहे सतीश पाल के खिलाफ तीन कारोबारियों को बंधक बनाकर पीटने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मामला कानपुर देहात में स्थित विवादित जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़ा बताया जा रहा है।

इटावा के फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी टाइल्स कारोबारी अतुल गुप्ता, इटगांव के कमलेश बाबू और चौगान निवासी मनोज कुमार ने बताया कि उन्होंने करीब चार साल पहले झींझक इलाके में स्थित छह बीघे जमीन 45 लाख रुपये में सतीश पाल से खरीदी थी। बाद में पता चला कि जमीन विवादित है। जब उन्होंने रुपये वापस मांगे तो सतीश ने राजनीतिक पकड़ का भरोसा देकर मामला सुलझाने का आश्वासन दिया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला।

पीड़ितों के अनुसार, रुपये लौटाने के बहाने सतीश पाल ने उन्हें छेदी सिंह का पुरवा, बर्रा स्थित अपने घर बुलाया।

आरोप है कि जैसे ही तीनों लोग घर के अंदर पहुंचे, सतीश पाल, दिनकर पाल, रामनरेश और अन्य लोगों ने मिलकर दरवाजा बंद कर दिया और उन्हें डंडों, लोहे की सरिया और साबड़ से बेरहमी से पीटा। इस दौरान उनका मोबाइल भी तोड़ दिया गया और थाने जाने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित का दावा है कि सतीश पाल के घर पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिनमें यह पूरी घटना कैद होने की संभावना है।

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि पीड़ितों का मेडिकल कराने के बाद मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस आरोपों की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगालने की तैयारी में है।

गुवाहटी में तैनात वायु सैनिक का निधन तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर घर आया

अंतिम संस्कार में उमड़े असलापुर गांव के लोग, वायु सैनिकों ने दी सलामी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर क्षेत्र के असलापुर निवासी वायु सैनिक की गुवाहटी में तबीयत बिगडऩे के बाद निधन हो गया। सोमवार को पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा तो परिवार के लोग बिलखते रहे। सैनिकों ने पहुंच कर सलामी दी। इसके बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया।

असलापुर निवासी राकेश सिंह पुलिस कार्यालय उरई में लिपिक के पद पर तैनात हैं। उनका बेटा दिग्विजय सिंह (28) वायु सेना में जवान थे। वर्तमान में गुवाहाटी में बेटे की तैनाती थी। छोटे भाई सौरभने बताया कि वह नोएडा में रहकर तैयारी कर रहे हैं। शनिवार दोपहर एयर फोर्स के मनोज ने उन्हें तबीयत बिगडऩे से भाई के निधन की जानकारी दी। वही से वह गुवाहाटी चले गए थे। सोमवार शाम चार बजे दिग्विजय के पार्थिव शरीर को लेकर वायु सैनिक गांव पहुंचे। जहां शव देखकर मां सुशीला, पत्नी प्रिंसी सहित परिजन विलखने लगे। कानपुर एयर फोर्स जूनियर वारंट ऑफिसर दिलीप ने टीम के साथ सलामी दी। पिता राकेश सिंह व पत्नी प्रिंसी को संयुक्त रूप से तिरंगा भेंट किया। गांव के बाहर मैदान में अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि भाई सौरभ ने दी। पिता राकेश ने बताया किदिग्विजय की वर्ष 2017 में वायु सेना में तैनाती हुई थी। वर्ष 2022 में उसकी शादी हुई थी, उसके दो वर्ष का बेटा दैविक है। वह परिवार के साथ उरई में रहते हैं, जबकि भाई राजेश गांव में रहते हैं। इधर जवान के निधन की जानकारी पर सपा के सपा नेता नरेंद्र पाल सिंह मनु, दिलीप यादव ने समेत अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि देकर परिवार को ढांढस बंधाया।

दबंग धमका कर बना रहे समझौते का दबाव, एसपी से लगाई गुहार

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराना एक युवक पर ही भारी पड़ गया। जमीन छूट जाने की खुन्नस में दबंगों ने युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है। पीड़ित का आरोप है कि शिकायत के बाद पुलिस ने भले ही मुकदमा दर्ज कर लिया, लेकिन लगातार समझौते का दबाव बनाया जा रहा है। पीड़ित ने एसपी दफ्तर पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। मामला अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के तोड़ा मोहम्मदपुर गांव का है। यहां के रहने वाले राहुल कुमार ने माती पहुंचकर एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय से लिखित शिकायत की । राहुल का आरोप है कि गांव के ही रवि और उसके साथियों ने उनके ट्रैक्टर को रोककर गाली-गलौज की और घेरकर जमकर मारपीट की। अकबरपुर पुलिस ने बीएनएस की धारा 126(2), 115(2), 352, 351(3), 304 और 3(5) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। लेकिन दबंगों ने पुलिस से मिलीभगत कर राहुल पर ही क्रॉस केस दर्ज करा दिया, ताकि उस पर समझौते का दबाव बनाया जा सके। राहुल का कहना है कि दबंगों ने गांव की सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा था, जहां बच्चे व युवा खेलकूद करते थे। कानपुर देहात एसपी ने निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिया है।

बोर्ड परीक्षा केंद्रों की सूची में खामियां ही खामियां

» सूत्रों के अनुसार लगभग एक दर्जन केंद्र ऐसे बनाए गए हैं, जहां न तो परीक्षा से जुड़े न्यूनतम संसाधन उपलब्ध हैं और न ही सुरक्षा मानकों का पालन किया गया है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 के लिए जिले में 79 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, लेकिन केंद्रों की जारी सूची सामने आते ही चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। कई विद्यालयों ने आरोप लगाया है कि बोर्ड और जिला परीक्षा समिति द्वारा निर्धारित मानकों को दरकिनार करते हुए परीक्षा केंद्रों का चयन किया गया है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार लगभग एक दर्जन केंद्र ऐसे हैं, जहां न तो परीक्षा से जुड़े न्यूनतम संसाधन उपलब्ध हैं और न ही सुरक्षा मानकों का पालन किया गया है। कुछ विद्यालयों में आवश्यकता से कहीं अधिक छात्र आवंटित कर दिए गए हैं, जबकि कई मुख्य मार्गों पर स्थित विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाने से बाहर कर दिया गया है। इसके विपरीत, कई दुर्गम क्षेत्रों के विद्यालयों को परीक्षा केंद्र घोषित कर दिया गया है, जिससे परीक्षार्थियों की परीक्षा तक पहुंच चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

चर्चा इस बात की भी है कि कई प्रभावशाली व्यक्तियों से जुड़े विद्यालय लगातार दूसरे वर्ष भी परीक्षा केंद्र बनने से वंचित रह गए हैं। हालांकि, कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रचलित परंपरा के अनुसार जिला परीक्षा समिति द्वारा आपत्तियां आने पर कुछ विद्यालयों को सूची में शामिल किया जा सकता है।

इधर रसूलाबाद और सरवनखेड़ा ब्लॉक में अपेक्षा से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जबकि भोगनीपुर तहसील के मालसा ब्लॉक का कोई भी

वित्तविहीन विद्यालय इस बार केंद्र सूची में स्थान नहीं पा सका, जिससे क्षेत्र में नाराजगी बढ़ी हुई है।

सूत्र बताते हैं कि कुछ ऐसे विद्यालय भी परीक्षा केंद्र बना दिए गए हैं, जहां पिछले एक वर्ष में दो-दो प्रधानाचार्य बदल चुके हैं, जिससे विद्यालय की व्यवस्थागत स्थिरता पर सवाल उठ रहे हैं। बोर्ड द्वारा जारी सूची में कई स्पष्ट खामियां दिखाई दे रही हैं।

अब निगाहें इस बात पर हैं कि 4 दिसंबर तक प्रधानाचार्यों द्वारा कितनी आपत्तियां दर्ज कराई जाती हैं और

जिला परीक्षा समिति उन पर क्या निर्णय लेती है।

छात्र संख्या घटने के बावजूद केंद्र बढ़े

गत वर्ष जिले में 89 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इस वर्ष लगभग 2,000 छात्रों की संख्या घटने के बावजूद भी परीक्षा केंद्रों की संख्या समान रखी गई है। आश्चर्यजनक रूप से कई राजकीय विद्यालय भी परीक्षा केंद्र बना दिए गए हैं, जबकि न तो वहां पर्याप्त कमरे हैं और न ही सीसीटीवी व्यवस्था उपलब्ध है। इसके विपरीत, गत वर्ष परीक्षा केंद्र रहे कई विद्यालयों को इस बार सूची से बाहर कर दिया गया है, जबकि कुछ नए विद्यालयों को केंद्र घोषित कर दिया गया है, जिनमें परीक्षा संचालन मुश्किल माना जा रहा है। जैसलपुर, पिंडरथू समेत कई नए विद्यालयों को केंद्र बनाया गया है, जबकि प्रयागपुर और रेवा स्थित कॉलेजों की खामियां पहले ही उजागर हो चुकी हैं, फिर भी उन्हें केंद्र सूची में शामिल किया गया है। अनुमान है कि यदि सभी केंद्रों की गंभीर जांच की जाए तो करीब दो दर्जन विद्यालय मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे।

आपत्तियां दर्ज कराने के लिए मात्र तीन दिन का समय दिया गया है, जिससे प्रधानाचार्य और प्रबंधक सकते में हैं कि इतने कम समय में वे पूरी तरह दस्तावेज तैयार कर पाएंगे या नहीं।

जिला परीक्षा समिति की कार्यवाही और आपत्तियों के निस्तारण पर अब सबकी निगाहें टिकी हैं।

व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष के भतीजे की सड़क हादसे में मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कस्बे के व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष के भतीजे की देर रात सडक़ हादसे में मौत हो गई,मौत खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की छानबीन कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

रूरा कस्बे के बाजार वार्ड के रहने वाले व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता मोनू के बड़े भाई आलोक गुप्ता के दो बेटे है छोटा तरुण गुप्ता उर्फ रिशु उम्र 25 अपनी बाइक से देर रात करीब 11 बजे शिवली की तरफ से घर आ रहा था ।तभी रूरा शिवली मार्ग पर एक गेस्ट के पास रूरा की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी इससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में लोगों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी सूचना पर पहुंचे परिजन उसको उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज ले गए ।जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया ।मृत्यु जानकारी होते ही पिता आलोक, चाचा आशीष,सोनू,भाई सुबोध,मा योगिता का रो रोकर बुरा हाल हो गया। थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर आगे कार्यवाही की जाएगी।

रामलीला में जय श्रीराम के उद्घोष ने भक्तिरस में किया सराबोर

» कटेठी गांव में रामलीला महोत्सव में दिखी सामाजिक समरसता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। सरवनखेडा ब्लाक के अंतर्गत कटेठी ग्राम में सोमवार को ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक द्विदिवसीय रामलीला महोत्सव अत्यंत धूमधाम एवं आध्यात्मिक ऊष्मा के साथ प्रारंभ हुआ। बीएस मॉडर्न पब्लिक स्कूल गजनेर के निदेशक राहुल यादव ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम केवल ऐतिहासिक चरित्र नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए आदर्श, आस्था और अनुशासन के महानतम प्रतीक हैं। उनकी जीवनगाथा त्याग, सत्य, धर्म, मर्यादा और कर्तव्यपरायणता का अनुपम पाठ पढ़ाती है। रामलीला जैसे सांस्कृतिक उत्सव भारतीय सभ्यता के जीवंत अवशेष हैं, जो नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, इतिहास और नैतिक मूल्यों से अभिसिंचित करते हैं। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता, एकजुटता और सांस्कृतिक चेतना को पुष्ट करते हैं। कार्यक्रम में सभी सभासदों सहित भारी जनसमूह उपस्थित रहा। रामलीला समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में निष्ठापूर्वक योगदान दिया। मंच स्थल पर

चारों ओर गूंजते जय श्रीराम के उद्घोष ने वातावरण को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। रामलीला अध्यक्ष गोलू सिंह चौहान, पूर्व प्रधान भानुप्रताप सिंह, पूर्व प्रधान राजू सिंह, जगनायक सिंह, शीलू सिंह, सुरेश सिंह, अजय सिंह, शास्त्री दीपक शुक्ला, संदीप सिंह, रामजी सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कानपुर देहात: सड़क पर सजगता ही जीवन की सबसे बड़ी सुरक्षा ढाल

एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने यातायात चेतना-दीप जलाकर किया समापन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माटी। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व में कस्बा अकबरपुर स्थित प्रमुख पुल के नीचे आयोजित यातायात जागरूकता माह-2025 का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में सडक़-सुरक्षा को लेकर एसपी ने उपस्थित लोगों को कई जरूरी बातें बताईं। कहा कि यातायात अनुशासन केवल कानून का दायरा नहीं, यह जीवन का दायित्व है। नियमों का पालन किसी दंड का भय नहीं, बल्कि मानव-जीवन की सुरक्षा हेतु अनिवार्य है।

कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी यातायात, प्रभारी निरीक्षक यातायात, यातायात विभाग के वरिष्ठ अधिकारी/कर्मचारी, बड़ी तादाद में स्कूली छात्र-छात्राएँ तथा कस्बे के प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे। समस्त लोगों ने सुरक्षा-शपथ लेकर यह संदेश दिया कि सडक़ पर सजगता ही जीवन की सबसे बड़ी सुरक्षा ढाल है। समापन समारोह में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत जागरूकता रैली, कलात्मक पोस्टर-प्रदर्शनी, सुरक्षा संकेतों की व्याख्या, हेलमेट-पट्टी प्रदर्शन और ट्रैफिक प्रबंधन की प्रतीकात्मक गतिविधियों ने कार्यक्रम को और अधिक उद्देश्यपरक बनाया। उपस्थित जनसमूह ने इन प्रस्तुतियों की खुले मन से सराहना की। यातायात माह के दौरान पुलिस विभाग द्वारा किए गए सडक़-सुरक्षा संवाद, स्कूलों में प्रबोधन व्याख्यान, चौराहों पर जागरूकता अभियान, प्रायोगिक प्रशिक्षण तथा नियम-पालन प्रेरणा कार्यक्रमों को एसपी ने 'जनपदीय सुरक्षा संस्कृति के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर' बताया। समारोह के अंत में एसपी ने उपस्थित नागरिकों, बच्चों और कर्मियों के सहयोग को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि यातायात अनुशासन तब पूर्ण होगा, जब पूरा समाज इसे संस्कार के रूप में आत्मसात करेगा।

प्रेम प्रसंग के चलते जहर खाकर युवक ने दी जान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र के रमऊ गांव में प्रेम प्रसंग में जहरीला पदार्थ खा लेने से एक युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

सोमवार को मृतक के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।घटना से परिवार में शोक व्याप्त है।रमऊ गांव निवासी प्रशांत बाबू उम्र करीब 26 वर्ष ने बीते शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में घर पर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था।

हालत बिगडऩे पर परिजन आनन फानन में प्रशांत को राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए।जहां पर उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के पश्चात जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जिला अस्पताल में उपचार के दौरान प्रशांत की मौत हो गई।प्रशांत के बड़े भाई पारस कुमार ने बताया कि यदि एंबुलेंस समय पर पहुंच गई होती तो उनके भाई की जान बचाई जा सकती थी।

थाना प्रभारी सनत कुमार ने बताया कि प्राथमिक छानबीन में प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है।

तेज रफ्तार स्कार्पियो ने स्कूटी सवार मां-बेटे को रौंदा,चालक फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कल्याणपुर-शिवली मार्ग पर बाघपुर के पास तेज रफ़्तार स्कार्पियो ने स्कूटी सवार मां-बेटे को टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने स्कार्पियो को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

कानपुर देहात में शिवली थाना क्षेत्र के कल्याणपुर शिवली मार्ग पर बाघपुर के पास तेज रफ़्तार स्कार्पियो ने स्कूटी सवार मां बेटे को टक्कर मार दी। राहगीरों की मदद से पुलिस ने दोनो घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवली पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

रूरा थाना क्षेत्र के ग्राम गहलौ जर्बी निवासी शैलेंद्र कुमार (27) पुत्र गेंदालाल सोमवार रात 10 बजे के करीब मां केशकली (52) को स्कूटी से लेकर कानपुर से घर लौट रहे थे। बाघपुर में शिवली की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कार्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। अस्पताल पहुंचने पर दोनों की मौत हो गई। पिता ने बताया कि पुत्र शैलेंद्र घर पर बुक स्टॉल व किराने की दुकान किए था। बेटे ने

हेलमेट लगाया हुआ था। चालक स्कॉर्पियो छोड़ कर भाग निकला

सोमवार को वह अपनी मां को लेकर बेटी दीक्षा के ससुराल बर्रा-चार गल्ला मंडी नौबस्ता गया था। वहां से लौटने के दौरान हादसा हो गया। अनहोनी पर पिता गेंदालाल, बहन दीक्ष, रूबी, भाई शिवम बिलखते रहे। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि हादसे के बाद चालक स्कॉर्पियो छोड़ कर भाग निकला है। गाड़ी कब्जे में ली गई है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

युवक तमंचा व कारतूस समेत गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली के उपनिरीक्षक अतेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि चांदापुर रोड पर एक युवक खड़ा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में लिया। उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से 12 बोर का तमंचा व दो कारतूस बरामद हुये।

पकड़े गये युवक ने अपना नाम शानू पुत्र मुख्तार निवासी चांदापुर भोगनीपुर बताया।

पुलिस ने उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

रामपुर हलवारा में 300 बीघे की अवैध खुदाई-खनन का महागठजोड़ बेनकाब!

» 11 बीघे का पट्टा, 300 बीघे की खुदाई, रॉयल्टी शून्य

» शिकायत के बाद शुरू हुआ कवर-अप 'ऑपरेशन'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामपुर हलवारा में अवैध बालू खनन का ऐसा नेटवर्क सक्रिय है जिसने शासन-प्रशासन, खनन विभाग और पुलिस की पूरी व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। अमरिंदर शाही के घाट पर सिर्फ 11 बीघे का पट्टा स्वीकृत था, लेकिन मौके पर 300 बीघे से अधिक क्षेत्र में खनन कर डाला गया।

सूत्र बताते हैं कि जब अवैध खनन की शिकायत ऊपर तक पहुँची, तब हडक़ंप मच गया।दो दिन से लगातार कई जेसीबी, ट्रैक्टर और मशीनें लगाकर खुदाई की गई जमीन को तेजी से समतल किया जा रहा है। उद्देश्य एक—खुदाई की गहराई और फैलाव के सबूत मिटाना। स्थानीय लोग बताते हैं कि शिकायत के अगले ही दिन रात में घाट पर गतिविधि अचानक बढ़ गई। जेसीबी की लगातार आवाजें सुनाई देती रहीं और सुबह तक कई हिस्सों को बराबर कर दिया गया ताकि वास्तविक पैमाना छिपाया जा सके। पूरे मामले में सबसे गंभीर आरोप खनन अधिकारी आशीष द्विवेदी और खनन निरीक्षक पर हैं। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि उनकी अनुमति और संरक्षण के बिना 300 बीघे का अवैध खनन संभव ही नहीं था। इन सबके बीच, खनन विभाग की फाइलें या तो अटकी पड़ी हैं या जानबूझकर अंधेरे में रख दी गई हैं।

खनन विभाग तकनीकी रूप से अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) के अधीन है, पर प्रशासन की चुप्पी ने संदेह और गहरा कर दिया है। स्थानीय पुलिस और खनन तंत्र पर सिंडिकेट की साझेदारी के आरोप आम हैं और इस कांड ने इन्हें और पुख्ता कर दिया है। आरओ खनन से अभद्रता प्रकरण के आरोपी बीजेपी नेता राकेश जायसवाल ने कहा रामपुर हलवारा में अवैध खनन खुली लूट है। अधिकारी, पुलिस और ठेकेदारों का गठजोड़ नियमों का कत्ल कर रहा है। विरोध करो तो फंसाने की धमकी मिलती है।

हर भारतीय के मोबाइल पर 'संचार साथी' एप अनिवार्य

» केंद्र सरकार ने साफ की स्थिति

» सिंधिया बोले—एप स्वैच्छिक, डिजिटल सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर 'संचार साथी' एप को अनिवार्य बताए जाने वाली चर्चाओं पर केंद्र सरकार ने विराम लगा दिया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्पष्ट कहा कि यह एप पूरी तरह स्वैच्छिक है और नागरिक चाहें तो इसे उपयोग करें, न चाहें तो अपने मोबाइल से कभी भी डिलीट कर सकते हैं।मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता हर नागरिक की निजता और ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करना है। 'संचार साथी' एप का उद्देश्य मोबाइल ठगी, फर्जी सिम और खोए मोबाइल की ट्रैकिंग जैसी समस्याओं से लोगों को राहत देना है।सिंधिया ने बताया कि एप के प्रति लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है और बड़े स्तर पर इसका उपयोग किया जा रहा है।

ऐप मुख्य उपलब्धियाँ

20 करोड़ से अधिक लोग पोर्टल का इस्तेमाल कर चुके।

1.5 करोड़ से ज्यादा यूज़र एप से जुड़े।

नागरिकों की पहचान पर 1.43 करोड़ संदिग्ध मोबाइल कनेक्शन डिस्कनेक्ट।

26 लाख मोबाइल फ़ोन ट्रेस, जिनमें से 7.23 लाख वापस लौटे।

40.96 लाख फर्जी मोबाइल कनेक्शन बंद।

6.2 लाख फॉड-लिंक्ड आईएमईआई ब्लॉक।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संचार साथी पहल डिजिटल सुरक्षा, पारदर्शिता और नागरिक-प्रथम सोच को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कदम है।

जय जवान जय किसान लोक शक्ति संगठन में नए चेहरों को मिली जिम्मेदारी

» नरेश राजपूत बने प्रदेश सचिव, आशा राजपूत को कानपुर मंडल प्रभारी की जिम्मेदारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। जय जवान जय किसान लोक संगठन ने रविवार को फर्रुखाबाद जनपद में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक कर प्रदेश और मंडल स्तर पर बड़े बदलावों की घोषणा की। बैठक का नेतृत्व संगठन के राष्ट्रीय मीडिया एवं संगठन प्रभारी बाबा हनुमान दास ने किया।बैठक में कायमगंज क्षेत्र को संगठन में अहम जिम्मेदारी देते हुए नरेश राजपूत को प्रदेश सचिव, मोर सिंह राजपूत को प्रदेश उपाध्यक्ष तथा निर्मल गंगवार को भी प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया। वहीं फर्रुखाबाद जिले की कमान जनवेश को सौंपी गई।इसके अतिरिक्त जिले में राजन कठेरिया को ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष, अनिरुद्ध यादव को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई। इसी कार्यक्रम में आयुर्वेदिक दवाई 'विष मुक्त अभियान' से जुड़े बेदालिक्स कंपनी के मार्केटिंग स्टाफ एसोसिएट अनिल कनौजिया को मंडल संरक्षक, तथा टीम की लीडर सुश्री आशा राजपूत को कानपुर मंडल प्रभारी बनाकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। कम उम्र में कई उपलब्धियां हासिल करने वाली, बेबाक और निर्भीक आशा राजपूत की नियुक्ति को संगठन में ऊर्जा से भरा कदम माना जा रहा है। टीम के मिथिलेश कुमार को मंडल उपाध्यक्ष बनाया गया। आंदोलन जारी रहेगा। शिक्षा, इलाज और ग्रामीण बिजली मुफ्त की जानी चाहिए, वरना ग्रामीण क्षेत्र बिजली विभाग के पोलों का किराया देने को भी तैयार हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव मानसिंह चौहान, कन्नौज जिला अध्यक्ष अभिषेक यादव, शाहजहांपुर जिला अध्यक्ष रोहित शर्मा, शाहजहांपुर मीडिया प्रभारी अंबुज शुक्ला फर्रुखाबाद युवा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इन सभी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का जिलेभर में भ्रमण कराया। संगठन ने घोषणा की कि जल्द ही कन्नौज और शाहजहांपुर में भी बड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। पं संदीप शर्मा उर्फ बाबा हनुमान दास, जो कि संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी होने के साथ शिव शक्ति अखाड़ा के प्रचारक भी हैं, पूरे भारत में संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

झांसी में इंस्पेक्टर जितेन्द्र कुमार सिंह बने डिप्टी एसपी, कंधों पर सजे चांदी वाले स्टार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झांसी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय झांसी में एक गरिमामय एवं प्रेरणादायी पीपिंग सेरेमनी आयोजित हुई। समारोह में एसएसपी बीबीजीटीएस और एसपी ग्रामीण डॉ. अरविंद कुमार ने जनपद में तैनात जनलोकप्रिय और उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए प्रसिद्ध इंस्पेक्टर जितेन्द्र कुमार सिंह को डिप्टी एसपी पद पर प्रमोशन होने के बाद उनके कंधों पर चांदी वाले स्टार लगाकर सम्मानित किया।नव प्रमोटी डिप्टी एसपी जितेन्द्र कुमार सिंह की कर्तव्यनिष्ठ पुलिसिंग की चर्चा कई जनपदों में रही है। कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, जालौन समेत कई महत्वपूर्ण कोतवाली क्षेत्रों में प्रभारी निरीक्षक रहते हुए उन्होंने अपराध नियंत्रण, जनसेवा और संवेदनशीलता के साथ बेहतर पुलिसिंग की मिसाल पेश की है।उनके प्रमोशन की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों, पत्रकारों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी। सभी ने उम्मीद जताई कि वे आगे भी सत्यनिष्ठा, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ पुलिस सेवा में उत्कृष्ट योगदान देते रहेंगे।

किसकी नाराजगी में 'उजड़ गए' पीडब्ल्यूडी के एई-जेई?

» काम छिना, कुर्सियाँ खाली और सवालों का पहाड़

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के निर्माण खंड-तीन में अचानक हुए प्रभार परिवर्तन ने इंजीनियरिंग गलियारों में भूचाल ला दिया है। एक झटके में इस डिवीजन के एई व जेई बेरोजगार जैसे हालात में पहुंच गए। वजह बीकापुर विधानसभा क्षेत्र का पूरा कार्य निर्माण खंड-तीन से छीनकर प्रांतीय खंड को सौंप देना।

चर्चाओं के बाजार में कहा जा रहा क्या यह विधायक की नाराजगी का नतीजा है? या किसी और सत्ता-केंद्र की? आधिकारिक रूप से अधिशासी अभियंता सतपाल का कहना है कि ₹14 कोसी परिक्रमा पथ को 31 मार्च तक पूर्ण करने के लिए ऐसा किया गया। विभाग के ही कई इंजीनियर इस दलील को फेस सेविंग बताते हुए खारिज कर देते हैं। उनका तर्क साफ 14 कोसी परिक्रमा एक माह पहले संपन्न हो चुकी है। तब किसी बड़े अधिकारी ने कोई चेतावनी तक नहीं दी। अगली परिक्रमा के लिए 11 महीने बाकी, दो-तिहाई काम पहले ही पूरा। फिर अचानक काम छीनने की क्या जल्दी थी? मुख्य अभियंता आर.के. सिंह का आदेश 17 नवंबर को जारी हुआ। वास्तविक हलचल तब मची जब प्रांतीय खंड के तारुन व मया बाजार देख रहे दो जेई को सोहावल ब्लॉक का पूरा प्रभार सौंप दिया गया। यहीं से मनमाफिक जेई को फायदा पहुंचाने की फुसफुसाहट शुरू हो गई। डिवीजन तीन में चार एई और आठ जेई हैं। बीकापुर क्षेत्र हटते ही इनके पास लगभग कुछ भी काम नहीं बचा, केवल 14 कोसी परिक्रमा पथ और लगभग साढ़े छह किमी का लक्ष्मण पथ।सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक आदेश में सोहावल ब्लाक निर्माण खंड चार को दिया गया था, मसौधा, हरिंगटनगंज, बीकापुर का बड़ा हिस्सा प्रांतीय खंड को लेकिन बाद में संशोधित आदेश ने बीकापुर का पूरा क्षेत्र प्रांतीय खंड को सौंप दिया। इससे प्रांतीय खंड के एक एई और दो जेई की लॉटरी खुल गई अयोध्या से तारुन, और तारुन से सोहावल तक बड़ा क्षेत्र उनके नियंत्रण में आ गया। मुख्य सवाल काम छिनना तकनीकी फैसला था या किसी की नाराजगी का परिणाम? राम मंदिर निर्माण के बाद शासन ने अयोध्या विकास के लिए चार डिवीजनों की संरचना बनाई थी लेकिन विभाग के भीतर प्रभार वितरण को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है।

4.82 करोड़ की जमीन डील, बिचौलियों खा गए 3.54 करोड़!

» रामनगरी में करोड़ों की ठगी, पीड़ित को मिले सिर्फ 65 लाख रुपये

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में जमीन खरीद-फरोख्त के नाम पर करोड़ों की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पक्ष में कराए गए एक बैनामे को आधार बनाकर बिचौलियों ने जमीन मालिक को ही चूना लगा दिया। पीड़ित रोहित, निवासी रीडगंज कोतवाली नगर, की तहरीर पर पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, धनउगाही और धमकी की गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है।

'दोबारा पैसे मांगे तो अंजाम भुगतोगे'

रोहित जब बार-बार रुपये मांगने गया, तो हर बार टाल दिया गया। 11 नवंबर को अशोक कुमार के घर जब वह पहुंचा तो दिलीप भी मौजूद था। दोनों ने न सिर्फ पैसे देने से इनकार किया बल्कि दबंगई दिखाते हुए कहा हम लोग एक संगठित ग्रुप हैं, दोबारा रुपये मांगने आए तो जान से मार देंगे। नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। अब सवाल यह उठता है कि क्या रामनगरी में जमीन दलाली का ऐसा नेटवर्क सक्रिय है जो करोड़ों की खरीद-फरोख्त में मालिकों को ही लूट रहा है? किन राजनीतिक और प्रशासनिक बैकअप पर चलता है यह सिंडिकेट?

रोहित का आरोप है कि दिलीप कुमार वर्मा, अशोक कुमार वर्मा, रामचंदर वर्मा, अजय कुमार और संतोष—ये पांचों लंबे समय से एक साथ जमीन की खरीदी-बिक्री का काम करते हैं। इन्होंने रानोपाली स्थित रोहित की जमीन को अच्छे दामों में बिकवाने का लालच दिया और चालाकी से उसके नाम से बैनामा अपने नाम करवा लिया। इसके बाद वही जमीन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को 4,82,24,500 रुपये में बेच दी गई, लेकिन पीड़ित को उसके हिस्से में सिर्फ 65 लाख रुपये मिले बाकी 3.54 करोड़ रुपये बिचौलियों ने अपने खातों में डाल लिए।

एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल लागू कराने के लिए बार काउंसिल कर रही प्रयास

यूपी बार काउंसिल के सह अध्यक्ष, सदस्य का फैजाबाद बार एसो. ने किया स्वागत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सह अध्यक्ष, सदस्य प्रदीप कुमार सिंह का स्वागत फैजाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह और पूर्व अध्यक्ष संजीव दुबे के नेतृत्व में किया गया।

उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि बार काउंसिल अधिवक्ताओं को मेडिकल की सुविधा, 70 साल से अधिक उम्र के अधिवक्ताओं को पेंशन की सुविधा के साथ साथ ई लाइब्रेरी प्रदान कराने के लिए प्रयासरत है।

प्रदीप कुमार सिंह ने बताया बार काउंसिल द्वारा सरकार को एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल को भेजा जा चुका है और काउंसिल का प्रयास है कि जल्द ही इसे लागू कराया जाए। वार्ता के दौरान बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष संजीव दुबे द्वारा कई मुद्दों पर वार्ता की गई। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह द्वारा अधिवक्ताओं को हो रही समस्याओं और वोटर लिस्ट को लेकर चर्चा की गई। बार कौंसिल ऑफ़ उत्तर प्रदेश के सदस्य प्रदीप कुमार सिंह ने कचहरी में अधिवक्ताओं से संपर्क कर अपने लिए चुनाव में क्रमांक 205 पर मत प्रयोग का अनुरोध किया। कार्यक्रम के दौरान बार मंत्री ऋषि मिश्रा, उपाध्यक्ष चंद्रभान सिंह,राजेश पांडे ,राज कपूर सिंह, आलोक सिंह, विवेक कुमार सिंह सुदर्शन, बृजेश कुमार सिंह सहित दर्जनों अधिवक्ता मौजूद रहे।

लखनऊः कैबिनेट की बैठक में 20 प्रस्तावों पर मंत्रीपरिषद की लगी मुहर

योगी सरकार का बड़ा फैसलाः अब हर मंडल में खुलेगा दिव्यांग पुनर्वास केंद्र

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें 21 प्रस्ताव पेश किए गए, जिसमें 20 पर मंत्रिपरिषद की मुहर लगी। एक 14 नंबर के प्रस्ताव को पुनर्परीक्षण के लिए भेजा गया है। यह निजी अस्पतालों को प्रोत्साहन नीति के लिए था। बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग करने वाले लोगों को एसजीएसटी और स्टांप ड्यूटी पर छूट दी जाएगी। इसके तहत मेरठ की मेसर्स पसवारा पेपर्स लिमिटेड को 65.67 हजार का लाभ आज दिया गया। 1.5 करोड़ का लाभ पहले दिया जा चुका है।

इस बैठक में जहां पर्यटन क्षेत्र को मजबूत करने के लिए नई नियमावली को मंजूरी दी गई, वहीं अयोध्या में मंदिर संग्रहालय को हरी झंडी मिल गई है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली, 2025 को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। इस निर्णय से पर्यटन विभाग की प्रशासनिक संरचना मजबूत होगी और राज्य में पर्यटन गतिविधियों को तेजी से बढ़ावा मिलेगा। प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र की स्थापना के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है।

कारोबारियों को एसजीएसटी और स्टांप ड्यूटी पर मिलेगी छूट

इन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

घाघरा पुल की मरम्मतः गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के चैनेज सं0 45+980 किमी पर स्थित घाघरा पुल के क्षतिग्रस्त भाग के स्थायी सुरक्षात्मक कार्य कराए जाने के संबंध में निर्णय लिया गया।

कानपुर पेयजल परियोजनाः अटल नवीकरण और शहरी रूपान्तरण मिशन-2.0 (अमृत-2.0) योजनान्तर्गत कानपुर नगर में पेयजल पाइप लाइन विस्तार से संबंधित प्रायोजना के लिए 316.78 करोड़ की अनुमोदित लागत के व्यय के प्रस्ताव को मंजूरी।

बरेली पेयजल परियोजनाः अमृत-2.0 योजनान्तर्गत बरेली में पेयजल पुनर्गठन योजना फेज-1 से संबंधित प्रायोजना के लिए ?265.95 करोड़ की अनुमोदित लागत के व्यय के प्रस्ताव पर अनुमोदन।

औद्योगिक निवेश प्रोत्साहनः अवस्थापना एवं औद्योगिक निवेश नीति-2012 और औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2017 के अन्तर्गत गठित इम्पावर्ड कमेटी की 15 मई, 2025 को हुई बैठकों में की गई संस्तुतियों पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

वाराणसी स्पोर्ट्स स्टेडियमः डा0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा वाराणसी के संचालन और राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्र हेतु भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराए गए एम.ओ.यू. के संबंध में फैसला लिया गया।

चंदौली सड़क चौड़ीकरण जनपद चन्दौली में चन्दौली सकलडीहा सैदपुर मार्ग (राज्य मार्ग-69) के 04 लेन में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की पुनरीक्षित प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई।

जेल मैनुअल में संशोधनः माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के क्रम में उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल (प्रथम संशोधन) 2025 के संबंध में निर्णय लिया गया।

पेंशन विधेयकः विधान मण्डल के आगामी सत्र में उत्तर प्रदेश पेंशन की हकदारी तथा विधिमान्यकरण अध्यादेश, 2025 का प्रतिस्थानी विधेयक पुरःस्थापित/पारित कराकर अधिनियमित कराया जाना मंजूर किया गया।

गन्ना अधिनियम रद्दः उत्तर प्रदेश उपकर गन्ना अधिनियम, 1956 को निरसित (रद्द) किए जाने के संबंध में निर्णय लिया गया।

प्रदूषण शुल्क संशोधनः जल और वायु प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियमों के अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों/नगर निकायों में शुद्धीकरण संयंत्रों की स्थापना और संचालन हेतु सहमति शुल्क में संशोधन किया गया।

टाउनशिप परियोजनाओं का निरस्तीकरणः इन्टीग्रेटेड टाउनशिप नीति, 2005 एवं 2014 के अधीन स्वीकृत एवं अब तक निष्क्रिय परियोजनाओं के निरस्तीकरण तथा क्रियाशील परियोजनाओं को पूर्ण कराने हेतु नीति का निर्धारण किया गया।

कानपुर में अस्पताल हेतु भूमिः कानपुर स्थित दि जार्जिना मैकराबर्ट मेमोरियल हॉस्पिटल की 45000 वर्ग मी नजूल भूमि को मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल स्थापित करने हेतु कानपुर विकास प्राधिकरण को हस्तान्तरित किये जाने को मंजूरी।

प्रयागराज में भूमि आवंटनः कार्यालय उप निबन्धक सदर व कार्यालय उप/सहायक महानिरीक्षक निबन्धन जनपद- प्रयागराज हेतु भूमि उपलब्ध कराए जाने के संबंध में फैसला हुआ।

कैग रिपोर्ट प्रस्तुतिः नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना और सौभाग्य योजना पर वर्ष 2025 की रिपोर्ट को विधान मण्डल के समक्ष प्रस्तुत करने से पूर्व महामहिम राज्यपाल की अनुमति प्राप्त करना शामिल है।

कानपुर स्थित दि जार्जिना मैकराबर्ट मेमोरियल हॉस्पिटल की 45000 वर्ग मी नजूल भूमि को मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल स्थापित करने हेतु मंजूरी।

बरेली में आजम खां के करीबी सपा नेता के बरातघर पर गरजे बुलडोजर

गुड मैरिज हॉल पर भी हुई कार्रवाई तो मच गया हड़कंप

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बरेली। बरेली के सूफी टोला स्थित ऐवान-ए-फरहत बरातघर को गिराने के लिए बीडीए ने मंगलवार दोपहर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। बरातघर को गिराने के लिए दो बुलडोजर लगाए गए हैं। बीडीए के अफसर और भारी पुलिस बल मौके पर तैनात है। इससे पहले यहां रहने वाले परिवारों ने कार्रवाई का विरोध किया। महिलाओं ने रोते हुए रहम की गुहार लगाई, लेकिन बीडीए की टीम ने बरातघर को अवैध निर्माण बताते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई के दौरान मालियों की पुलिया से सूफीटोला जाने वाले रास्ते को ताज पैलेस के पास पुलिस ने गाड़ी खड़ी करके बंद कर दिया है। दोपहर 3:45 पर राशिद खां के गुड मैरिज हॉल पर भी बीडीए के बुलडोजर गरजने लगे।

बीडीए के दो बुलडोजर सरफराज वली खान और राशिद खां के बरातघरों को ध्वस्त करने के लिए दोपहर दो बजे यहां पहुंचे। हालांकि कर्मचारी सुबह 9:00 बजे यहां आ गए थे लेकिन प्रशासन की व्यवस्था में करीब पांच घंटे लगे और दोपहर 2:00 बजे कार्रवाई शुरू करने के लिए काफी पुलिस कोर्स के साथ बीडीए के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस दौरान छत पर मौजूद महिलाओं का काफी विरोध देखने को मिला। महिलाएं चीख रही थी, वह सरफराज वली खां और राशिद खां के दोनों बरातघरों को न गिरने के लिए रहम की भीख मांग रही थी। विरोध के बीच दोपहर 2:45 बजे बीडीए के बुलडोजर गरजने लगे।

मानक के विपरीत बने हैं बरातघर

सूफी टोला में संकरे रास्ते के एक छोर पर बना ऐवान-ए-फरहत बरातघर सरफराज वली खां का है, जो अरसे से सपा से जुड़े हैं। वह सपा के कद्दावर नेता आजम खां के बेहद करीबी हैं। ऐवान-ए-फरहत से सटा गुड मैरिज बरातघर राशिद खां का है। राशिद कारोबारी हैं और बरेली बवाल के आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबी बताए जा रहे हैं। बीडीए के मुताबिक दोनों ही बरातघर मानक के विपरीत बने हैं।

बरातघर मालिक का बेटा कैंट से सपा के टिकट का दावेदार

आजम खां के नगर विकास मंत्री रहने के दौरान रहे सरफराज अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड के सदस्य रह चुके हैं। शहर में आजम खां जब भी आते हैं तो सरफराज के घर उनका स्वागत होता है। सरफराज ने अब बेटे सैफ वली खान को सपा की राजनीति में जमाने की कोशिश की है। सैफ कैंट विधानसभा क्षेत्र से सपा के टिकट के दावेदार बताए जा रहे हैं। बिना नक्शे के बना बरातघर टूटने की स्थिति में सैफ के टिकट की दावेदारी कमजोर पड़ सकती है।

गुड मैरिज मैरिज हॉल के मालिक राशिद खान का किसी पार्टी से सीधा जुड़ाव नहीं है। वह मूल रूप से व्यवसायी है। सूत्र बताते हैं कि सूफी टोला से बड़ी संख्या में लड़के 26 सितंबर को हुए बवाल में शामिल थे। इनमें से कुछ तो जेल भेज दिए गए और कई अब भी घरों से दूर रिश्तेदारियों या दूसरे शहरों में रह रहे हैं। सोमवार को सुबह 9:30 बजे से एसआई क्षेत्र का दौरा करते रहे। 10:50 बजे दो चौकी इंचार्ज के साथ बारादरी थाने की फोर्स पहुंची। 11 बजे जाम की स्थिति बनी तो पुलिस ने वाहनों को एक-एक कर निकलवाया। 11:17 बजे गुड मैरिज हॉल के मालिक ने सामान बाहर निकालना शुरू किया। 11:22 बजे मालियों की पुलिया की ओर से आ रहे ट्रैफिक को रोका गया। 11:33 बजे इंस्पेक्टर क्राइम अरविंद कुमार सरोज मौके पर पहुंचे। 11:45 बजे तक अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया। दोपहर 12 बजे कार्रवाई स्थगित होने की बात कहकर पुलिस टीम लौट गई थी।